JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

माध्यमिक स्तर के आदिवासी विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य तथा शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन

रंजीत कुमार सिंह
शोधार्थी
शिक्षा संकाय
आई0आई0एम0टी0, विश्वविद्यालय
गंगा नगर, मवाना रोड, मेरठ (उ0प्र0)

डॉ0 सरिता गोस्वामी
प्रोफेसर एवं संकायाध्यक्षा
शिक्षा संकाय
आई0आई0एम0टी0, विश्वविद्यालय
गंगा नगर, मवाना रोड, मेरठ (उ0प्र0)

सारांश–

वर्तमान शोध पत्र में माध्यमिक विद्यालय के आदिवासी छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि के संबंध में उनके मानसिक स्वास्थ्य का पता लगाया गया है। छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य का मूल्यांकन कुमार और गुप्ता द्वारा विकसित और मानकीकृत मानसिक स्वास्थ्य बैटरी (एमएचबी) द्वारा किया गया था। एमएचबी में 130 आइटम शामिल हैं और छह स्वास्थ्य सूचकांकों के माध्यम से 13 से 22 वर्ष के आयु वर्ग के मानसिक स्वास्थ्य को मापता है – भावनात्मक स्थिरता, समग्र समायोजन, स्वायत्तता, सुरक्षा–असुरक्षा, क्रिया–स्तर और बुद्धिमत्ता। विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि का मूल्यांकन मानकीकृत उपलब्धि परीक्षणों द्वारा किया गया। निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि माध्यमिक विद्यालय के आदिवासी छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण संबंध मौजूद है। अध्ययन के नतीजों को सामान्य बनाने के लिए अधिक विस्तृत अध्ययन की आवश्यकता है।

मूल शब्द– मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षणिक उपलब्धि, माध्यमिक विद्यालय के छात्र, आदिवासी छात्र।

1. परिचयः–

समान्यतः यह समझा जाता है कि जब व्यक्ति किसी भी तरह का मानसिक बिमारी से ग्रस्त नहीं है तो वह मानसिक रूप से स्वस्थ्य है और इस अवस्था को मानसिक स्वास्थ्य की संज्ञा दी जाती है, परन्तु आधुनिक मनौवैज्ञानिक तथा चिकित्सकों का मत है कि सिर्फ मानसिक बिमारी से मुक्त होने पर ही व्यक्ति को मानसिक स्वास्थ्य नहीं कहा जा सकता है, क्योंकि मानसिक रूप से स्वास्थ्य व्यक्ति में भी कभी–कभी मानसिक बिमारी के लक्षण जैसे–आवेगशीलता, सांवेगिक–अस्थिरता, अनिद्रा आदि लक्षण दिखाई पड़ते है। इसलिए आधुनिक नैदानिक मनोवैज्ञानिको ने मानसिक स्वास्थ्य को समायोजन शीलता की क्षमता को मुख्य कसौटी मानकर इसे परिभाषित किया हैः–

स्ट्रेन्ज 1965 के अनुसार– ''मानसिक स्वास्थ्य से तात्पर्य वैसी सीखे गए व्यवहार से होता है जो समाजिक रूप से अनुकूली होते है और जो व्यक्ति को अपनी जिंदगी के साथ पर्याप्त रूप से मुकाबला करने के अनुमति देता है''।

हारविज तथा स्कीड 1999 के अनुसारः– ''मानसिक स्वस्थ्य में कई आयाम सम्मिलित होते है– आत्म–सम्मान, अपने अंतशक्तियों का अनुभव, सार्थक एवं उत्तम संबंध बनाये रखने की क्षमता तथा मनोवैज्ञानिक श्रेष्ठता।''

एक0 के0 सिंह0 एवं डॉ0 अल्पना सेन गुप्ता 1989 :–

धनात्मक मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्ना तत्वों की समीक्षा करके निम्न छः (6) प्रमुख तत्वो को बतलाया हैः–

(a) समायोजन (b) सांवेगिक स्थिरता (c) बुद्धि (d) स्वतंत्रता (e) सुरक्षा–असुरक्षा (f) क्रिया–स्तर

प्रस्तुत शोध में माध्यमिक स्तर के आदिवासी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर मानसिक स्वस्थ्य के प्रभाव का अध्ययन करना है।

2. शोध साहित्य

जोशी और अन्य (2011) ने माध्यमिक विद्यालय स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य और शिक्षकों के बर्नआउट के संबंध में शिक्षक प्रभावशीलता का अध्ययन किया और संकेत दिया कि शिक्षक प्रभावशीलता सकारात्मक रूप से मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित है और नकारात्मक रूप से शिक्षकों के बर्नआउट से संबंधित है। शोधकर्ताओं ने शिक्षक प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए कुमार और मुथा (1982) द्वारा तैयार शिक्षक प्रभावशीलता पैमाने का उपयोग किया।

जोशी और अन्य (2011) ने माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर सामाजिक–भावनात्मक स्कूल के माहौल के प्रभाव का अध्ययन किया और छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर अनुकूल और प्रतिकूल सामाजिक–भावनात्मक स्कूल के माहौल के महत्वपूर्ण प्रभाव का संकेत दिया। अध्ययन में सरकारी छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण अंतर की भी सूचना दी गई। और पब्लिक स्कूल।

हॉलैंड (2016) ने तनाव और मानसिक स्वास्थ्य को नियंत्रित करते हुए मानसिक स्वास्थ्य परामर्श के उपयोग पर कॉलेज के छात्रों के अपमानजनक विचारों के प्रभाव की जांच की। परिणामों से तीन प्रमुख निष्कर्ष सामने आए। जैसे–जैसे छात्रों के अपमानजनक विचार बढ़े, वे परामर्श सेवाओं का उपयोग करने के लिए कम इच्छुक थे। अधिक अवसाद के स्तर ने परामर्श सेवाओं का उपयोग करने की अधिक इच्छा का संकेत दिया। अधिक अनुकूली मुकाबला करने के तरीकों ने परामर्श सेवाओं का उपयोग करने की इच्छा बढ़ाई। इन निष्कर्षों ने सामाजिक विपणन अभियानों का सुझाव देने वाली नीतिगत सिफारिशों को निर्देशित किया, संस्थानों में विशिष्ट स्वास्थ्य संबंधी शैक्षणिक पाठ्यक्रमों को बढ़ाया।

ग्वीन विर्थोन व्हाईट (2016) ने अपने अध्ययन में यह पाया कि मानसिक स्वास्थ्य शैक्षणिक उपलब्धियों पर प्रभाव डालती है। यह एक सीधा सह–सम्बन्ध है।

मेरेटिथ ओ कॉब्बर डैल क्लोनी एट ऑल (2019) ने अपने अध्ययन में यह पाया कि सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य छात्रों को शैक्षणिक उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव डालता है।

सारा अगनार्फोस, मिमी बारमार्क एवं गुनिला सिइसजो (2020) ने अपने अध्ययन'' सोशल माईकी एवं साइकाट्रिक इपिडीमेलोजी'' में यह पाया कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का शैक्षणिक उपलब्धि पर अत्यंत बुरा प्रभाव पड़ता है।

जोशी (2022) ने इंटरनेट के उपयोग के संबंध में वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य का पता लगाया। छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य का मूल्यांकन डॉ. तालेसरा और डॉ. बानो द्वारा विकसित मानसिक स्वास्थ्य स्केल (एमएचएस) द्वारा किया गया था। एमएचएस में 54 आइटम शामिल हैं जो तीन आयामों में विभाजित हैं – पहला स्कूल – संबंधित कारण दूसरा घर – संबंधित कारण और तीसरा सहकर्मी समूह। छात्रों के इंटरनेट उपयोग का मूल्यांकन सैनी और कौर द्वारा विकसित इंटरनेट उपयोग स्केल (आईयूएस) द्वारा किया गया था। स्केल में 20 आइटम हैं। निष्कर्षों ने माध्यमिक विद्यालय के छात्रों द्वारा मानसिक स्वास्थ्य और इंटरनेट के उपयोग के बीच सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण संबंध का संकेत दिया। अध्ययन के परिणामों को निष्कर्षों को सामान्य बनाने के लिए नए शोध अध्ययनों से अधिक शोध समर्थन की आवश्यकता है।

थपलियाल (2022) ने सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों में मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध का अध्ययन किया और डॉ. तालेसरा और डॉ. बानो द्वारा विकसित मानसिक स्वास्थ्य स्केल (एमएचएस) की मदद से छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को मापा। शोध के निष्कर्षों से पता चलता है कि छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य का छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि के साथ महत्वपूर्ण सकारात्मक संबंध है।

3. शोध समस्या का विवरणः–

प्रस्तुत शोध में माध्यमिक स्तर के आदिवासी विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य तथा शैक्षिक उपलब्धि के बीच सह–सम्बन्ध का अध्ययन करना है।

4. शोध अंतरालः–

मानसिक स्वास्थ्य का माध्यमिक स्तर के बालक–बालिकाओं की शैक्षणिक उपलब्धता की प्राप्ति विषयक शोध बहुत कम हुए है। शोध की साहित्य समीक्षा से यह बात प्रर्दशित होती है कि मानसिक स्वास्थ्य एवं शैक्षिक उपलब्धि के सहसंबंध को स्थापित करने वाले शोध भी लगभग नगण्य है। पूर्व मे किए गए शोधों के भौगोलिक क्षेत्र भी वर्तमान में प्रस्तावित शोध–क्षेत्र से काफी अलग रहे है। प्रस्तुत शोध इन अंतरालो को पूरा करने का एक प्रयास है।

5. उद्देश्यः–

माध्यमिक स्तर के आदिवासी विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य तथा शैक्षिक उपलब्धि के बीच सह–सम्बन्ध का अध्ययन।

6. परिकल्पनाः–

माध्यमिक स्तर के आदिवासी विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य तथा शैक्षिक उपलब्धि के बीच सार्थक सम्बन्ध नहीं है।

7. शोध का सीमाएँः–

वर्तमान अध्ययन के परिसीमन निम्नलिखित है–

(i) वर्तमान अध्ययन में दसवीं कक्षा के छात्रों तक सीमित है।

(ii) अध्ययन को मुख्य चर जैसे मानसिक स्वास्थ्य, और शैक्षिक उपलब्धि तक सीमित किया गया है।

(iii) अध्ययन गुमला जिले के सरकारी स्कूलों के 250 छात्रों तक सीमित किया गया है।

(iv) यह अध्ययन झारखण्ड के गुमला जिले के सरकारी विद्यालयों तक ही सीमित है।

8. शोध विधि

वर्तमान अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया।

9. प्रतिदर्शः–

अध्ययन का प्रतिदर्श याद्वच्छिक प्रतिचयन विधि द्वारा झारखंड राज्य के जिला गुमला में स्थित सरकारी माध्यमिक विद्यालयों के 10 वीं कक्षा से चुना गया। प्रतिदर्श में इकाइयों की प्रस्तावित संख्या 250 आदिवासी छात्र थी।

10. शोध अभिकल्प :–

शोध में प्रयुक्त चर :

स्वतंत्र चर – मानसिक स्वास्थ्य।

आश्रित चर – शैक्षिक उपलब्धि ।

11. ऑकड़ा संग्रह के लिए उपकरण:–

(i) **कुमार और गुप्ता ''मानसिक स्वास्थ्य बैटरी''**:–

मानसिक स्वस्थ्य बैटरी (MHB) का विकास कुमार तथा गुप्ता द्वारा 1987 में किया गया इसमें कुल एकांशों की संख्या–130 है जो 6 खण्डो में विभाजित किया गया है। 6 खण्ड क्रमशः संवेगात्मक स्थिरता, समग्र समायोजन, स्वायत्तता, सुरक्षा–असुरक्षा, स्वधारणा तथा बुद्धि है।

मानसिक स्वास्थ्य बैटरी का फलांकन:–

मानसिक स्वास्थ्य बैटरी का फलांकन हेतु सही उत्तर के लिए 1 तथा गलत उत्तर के लिए 0 अंक प्रदान दिया गया।

(ii) **शैक्षिक उपलब्धि** :– छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि को मापने के लिए गणित उपलब्धि परीक्षण और साइंस उपलब्धि परीक्षण में प्राप्त अंकों का विश्लेषण किया गया। ये परीक्षण मानकीकृत हैं और कक्षा दसवीं में छात्रों की उपलब्धि का मूल्यांकन करने के लिए इन दोनों परीक्षणों के अंकों को जोड़ा गया था। इन परीक्षणों का वर्णन नीचे किया गया है:

(A) एल.एन. दुबे – गणित उपलब्धि परीक्षण :– इस परीक्षण में 30 आइटम शामिल हैं जिन्हें तीन क्षेत्रों में विभाजित किया गया है– **(a)** अंकगणित, **(b)** बीजगणित, **(c)** ज्यामिति। यह 13 से 15 वर्ष के छात्रों पर प्रशासित किया गया था।

अंकन–

प्रत्येक सही उत्तर पर एक अंक दिया गया है। कुल अंक 30 हैं। उत्तर कुंजी मैनुअल में दी गई है।

(B) आर.डी. सिंह साइंस उपलब्धि परीक्षण :– इस परीक्षण में भौतिकी में 42 आइटम और रसायन विज्ञान में 44 आइटम शामिल हैं और इसे हाई स्कूल के 1300 छात्रों पर प्रशासित किया गया था।

जेनरल क्लास रूम उपलब्धि परिक्षण का निर्माण ए0के0 सिंह और ए0 सेन गुप्ता द्वारा 2005 में किया गया। इस परिक्षण द्वारा समान्य उपलब्धि भिन्न–भिन्न विषय पर मापा जा सकता है। जैसे–अंग्रेजी, विज्ञान, समाजिक विज्ञान।

अंकन–

प्रत्येक सही उत्तर पर एक अंक दिया गया है। कुल अंक 86 हैं। उत्तर कुंजी मैनुअल में दी गई है।

12 ऑकड़ो का विश्लेषण की योजनाः–

ऑकड़ो का विश्लेषण पियर्सन सहसंबंध गुणांक सांख्यिकी विधि के अनुप्रयोग द्वारा किया गया ।

13. शोध का महत्वः–

प्रस्तावित शोध मानसिक स्वस्थ्य का शैक्षणिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभावों को दर्शाने का एक प्रयास है। प्रस्तुत शोध–शोध क्षेत्र के लिए अत्यंत लाभकारी होगा। नीति–निर्माण मे यह भविष्य में बेहद काम आ सकता है। जिससे की बच्चों के प्रशिक्षण एवं समाज निर्माण में सहायक होगा।

14 उपसंहार

छात्रों की भलाई और सकारात्मक शैक्षिक परिणामों पर उचित ध्यान देने के लिए छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन करने की आवश्यकता है। आदिवासी विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक सम्बन्ध है क्योंकि आजकल शिक्षण–सीखने की प्रक्रिया के कारण होने वाले दबाव के कारण छात्रों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने की संभावना अधिक होती है। चिकित्सा विज्ञान ने भी माना है कि किशोरों के जीवन में अत्यधिक दबाव उनके लिए शैक्षणिक और सामाजिक रूप से परेशानी पैदा कर रहा है। अध्ययन के निष्कर्षों से पता चला कि शैक्षणिक उपलब्धि और मानसिक स्वास्थ्य के बीच सकारात्मक संबंध है। इसलिए, शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों को उनके सकारात्मक शैक्षणिक प्रदर्शन पर मानसिक स्वास्थ्य के प्रभाव के बारे में सचेत रहना चाहिए।

संदर्भग्रंथ सूची

[1] Agnaforth, S. Barmark, S. Sidesji. (2020). Mental Health and Academic Performance: A Study on Selection and Causation Effects from Childhood to Early Adulthood. Psychiatric Psychological Evidence, 20(2), 127-132.

[2] Gvon Biryon White. (2016). The Effect of Self-Efficacy on Mental Health and Academic Achievement. Journal of International Psychology, 31(3), 320-327.

[3] Holland, D. (2016). College student stress and mental health: examination of stigmatic views on mental health counseling. Michigan Sociological Review, 30, 16–43. Rtrieved from http://www.jstor.org/stable/43940346 .

[4] Joshi, A., Thapliyal, P., & Asthana, A.K. (2011). Impact of socio-emotional school climate on mental health of the secondary school students. Perspective in psychological researches, 34(2), 65-68.

[5] Joshi, A. (2022). Mental Health In Relation To Internet Usage of Senior Secondary School Students. International Journal of All Research Education and Scientific Methods (IJARESM), 10(7), 270-273. Retrieved from http://www.ijaresm.com/uploaded_files/document_file/Prof._(Dr_.)_Ajay_Joshi_paper_2_hEUy.pdf.

[6] Joshi, A., Thapliyal P., & Asthana. A.K. (2011). Teacher effectiveness in relation to mental health and burn-out of teachers at secondary level. Perspective in Psychological Researches, 34(1), 73-76.

[7] Meredith O'Connor, Dan Clooney, Amada, Kwalsig, and Sharon Goldfield. (2019). Positive Mental Health and Academic Achievement in Elementary School, New Evidence from a Matching Analysis. SAGE Journals, 21(3),41-46.

[8] Singh, A. K., & Sen Gupta, A., (2000). Manual for Mental Health Battery (MHB). Kacheri Ghat, Agra: National Psychological Corporation.

[9] Talesara, S., & Bano, A. (2011). Manual for Mental Health Scale (MHS). Kacheri Ghat, Agra: National Psychological Corporation.

[10] Thapliyal, P. (2022). Mental Health in Relation To Academic Achievement of Students At Senior Secondary Level In Delhi. International Journal of All Research Education and Scientific Methods (IJARESM), 10(7), 270-273. Retrieved from http://www.ijaresm.com/uploaded_files/document_file/Dr._Poonam_Thapliyal_Kk8I.pdf